an>

Title: Need to tackle acute drinking water shortage in Madhya Pradesh.

श्री जनार्दन मिश्र (रीवा) : अध्यक्ष महोदया, मध्य प्रदेश में भयंकर सूखे की वजह से फसलें नष्ट हो गई हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने और केंद्र सरकार ने भी मदद की है, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिली है। लेकिन वर्षा की कमी की वजह से पानी का जल स्तर बहुत नीचे चला गया है। 700, 800 और 900 फीट तक नलकूप खोदने के बावजूद भी पानी नहीं मिल रहा है। फसलें खराब होने की वजह से चारे का संकट है। पशुओं को चारे की बड़ी दिक्कत हो रही है। ऐसी स्थिति में आज गांव के गांव पलायन कर रहे हैं। एक गांव में एक भी जल स्रोत नहीं बच रहा है। ऐसी स्थिति में मध्य प्रदेश सरकार ने जो प्रयास किए हैं, वे सराहनीय हैं, लेकिन उन प्रयासों की वजह से भी संकट से निपटारा नहीं मिल पा रहा है। इसलिए केंद्र सरकार से मेरा अनुरोध है कि पशुओं को चारे की व्यवस्था और मध्य प्रदेश में खास कर रीवा जिले में जो पेयजल का अभूतपूर्व संकट उत्पन्न हो गया है और उस संकट की वजह से गांव के गांव खाली हो गए हैं, लोग पलायन कर रहे हैं, पशु नदी नालों में पानी की तलाश करते हैं। उनको एक बूँद भी पानी नहीं मिलता है, इस वजह से पशु मर रहे हैं।

इसलिए मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि मध्य प्रदेश को, खास तौर से रीवा जिले के पेयजल संकट से निजात दिलाने के लिए, पशुओं को चारा उपलब्ध कराने के लिए आर्थिक सहायता दिए जाने की कृपा की जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री रामचरण बोहरा, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री चन्द्र प्रकाश जोशी को श्री जनार्दन मिश्र जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।